एक माँ का अभिमान

~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

ऐसा कौन-सा दिन है

जब माँ का जश्न न मनाया जाए?

अपनी समयातीत यात्रा पर इस ब्रह्माण्ड में विचरती

चिति के आकाश में तैरती

हर अजन्मे शिशु की आत्मा ने

न जाने कैसे इस अद्भुत पृथ्वी ग्रह

के बारे में जान लिया है।

पृथ्वी।

वह आत्मा कैसी बेक़रार होगी

एक आश्रय की खोज में

जहाँ वह सुरक्षित जन्म ले सके।

इस ग्रह पर एक प्रेमल हृदय,

चाहे इस आत्मा की अपेक्षा कर रहा हो या नहीं,

चाहे इसकी अभिलाषा कर रहा हो या नहीं,

वह इसे अपनी सत्ता में समेट लेता है।

निर्णय का एक पल

कठोर परिश्रम,

अतीव वेदना,

और हर्षोल्लास का,

जीवन बन जाता है।

यह एक फलप्रद नियति बन जाता है।

नियति।

एक माँ के

हर्ष की पराकाष्ठा

या उसके अथाह कष्ट के अहसास को

कोई भी, कभी भी पूरी तरह से नहीं जान सकता,

चाहे उसके संवेगों की सरसराहट सुनी जा सके

या वे उसके मन के गहरे-काले अरण्य में फुसफुसाते हों।

पर एक बात निश्चित है :

एक माँ के हृदय का

केवल एक ही मनोरथ,

एक ही प्रयास होता है—

अपनी सन्तान के लिए

उसका आवाहन करना जो इस ब्रह्माण्ड में सर्वश्रेष्ठ है।

एक माँ जिसे उसकी आँखों का तारा सौंपा गया है,

संघर्ष करती रहती है कि अपनी सन्तान के लिए

वह जितनी सर्वश्रेष्ठ बन सकती है, बने।

वह अतिशय गर्व के साथ

चाहे कुछ भी हो

दिन-रात

अपनी सन्तान के सपने साकार करने में जुटी रहती है।

चौबीसों घण्टे।

जब उसकी सन्तान कष्ट में होती है तो एक माँ रोती है।

जब उसकी सन्तान खुश होती है तो एक माँ मुस्कराती है।

मेरी सन्तान क्या करना चाहती है?

यह एक माँ का पहला विचार होता है।

उसके आवेग और कामनाएँ

हमेशा सीधे उसके हृदय से उमड़ती हैं—

उसके उत्कृष्ट, विशाल हृदय से।

पहला विचार।

हो सकता है कभी माँ के बिना जाने,

उसकी सन्तान उससे बेशुमार प्यार करे।

हो सकता है कभी अनजाने में सन्तान के

शब्द और कार्य

यह दर्शाएँ कि सन्तान माँ का तिरस्कार कर रही है।

फिर भी एक माँ पर्वत की तरह मज़बूत है।

एक माँ नदी की तरह गहरी है।

एक माँ का हृदय इस ब्रह्माण्ड

और इससे उत्पन्न सभी ग्रहों व आकाशगंगाओं की तरह विशाल है।

अपने कर्तव्य के प्रति एक माँ की वचनबद्धता

अपनी सन्तान के मनोभावों या कार्यों

के ज्वार-भाटे के साथ बदलती नहीं रहती।

चाहे उसकी सन्तान उसे एक उच्च आसन पर बिठाए

या उसके अदृश्य हो जाने की कामना करे —

एक माँ का काम अविराम

चलता ही रहता है।

एक माँ अनकही निराशाओं को पार कर आगे बढ़ती रहेगी।

वह अलौकिक शक्ति के साथ,

मर्यादा और शमस्थिति के साथ,

अनगिनत तिरस्कारपूर्ण टीका-टिप्पणियों को सहन करेगी,

असंख्य आकस्मिक तूफ़ानों को झेल जाएगी।

क्यों?

कैसे?

क्योंकि वह प्रेम से बनी है।

प्रेम।

प्रेम सब कुछ वहन कर लेता है

और एक माँ प्रेम का जीता-जागता प्रतीक है।

वर्ष में एक बार माँ को "मातृ-दिवस की शुभकामनाएँ" देना,

उस सबकी महत्ता को वास्तव में माप नहीं सकता,

जो एक माँ करती है,

पर यूँ तो कुछ भी

उसके त्याग की असीम विशालता की

या उसके प्रेमल और निःस्वार्थ हृदय की भव्यता की

कभी भी बराबरी नहीं कर सकता।

तथापि, उसे सुखद मातृ-दिवस की शुभकामनाएँ देने की

एक छोटी-सी चेष्टा भी

उसके चेहरे पर एक निर्मल मुस्कराहट ले आएगी।

उसके लिए,

वह शुभकामना सारे अनमोल रत्नों से,

ज्ञानार्जन की सारी उपलब्धियों से

और इस संसार के सारे यश-सम्मान से बढ़कर है।

एक छोटा-सा नज़राना

उनसे जिनसे वह प्रेम करती है, जिनकी वह इज़्ज़त करती है,

उनसे जो उसकी मिठास और नेकी से धन्य हुए हैं,

उनसे जिन्हें उसने सब कुछ दिया है—

वह एक छोटा-सा नज़राना

एक माँ के हाथों में आकर

कई गुना बढ़कर सहस्र सूर्यों की शक्ति के समान हो जाएगा।

और वह एक माँ है इसलिए,

वह बड़े स्वाभाविक रूप से उस शक्ति को

धरती माँ के साथ बाँटेगी।

वह समर्थ बना देगी

इस पृथ्वी के उन अनेक लोकों को,

जो उसकी सन्तानों को अपने अंक में भर लेते हैं

और उन अनेक लोकों को भी जो उसकी सन्तानों के भीतर

आकार लेते हैं और विलीन हो जाते हैं।

एक माँ है

परिचारक,

परिपालक,

दिलासा देने वाली,

सान्त्वना देने वाली।

एक माँ है

एक शिक्षिका,

एक प्रशिक्षिका,

एक संरक्षक,

एक मार्गदर्शिका।

एक माँ वह है,

जिसके कान सुनने के लिए हमेशा तैयार और ग्रहणशील हैं,

जिसका हाथ स्थिर और भरोसेमन्द है।

वह एक हीरे समान चमक वाली चट्टान है।

माँ की पदवी

केवल उन्हीं के लिए सीमित नहीं होती जो जन्म देती हैं।

इस संसार के चारों कोनों में,

और समस्त जीव-योनियों में,

ऐसे अनेक उदार प्राणी हैं

जिनका स्वरूप,

जिनकी सहज प्रवृत्ति है,

उन सारी भूमिकाओं को अपना लेना जो एक माँ की हैं।

यह अभिराम और हृदयस्पर्शी घटना

बार-बार उन्मीलित होती है

और इस धरती माँ को सम्बल देती है।

अतः माताओं को समर्पित इस दिन पर,

उनका जश्न मनाओ जो एक अन्य प्राणी को जीवन देते हैं और

उनका लालन-पालन करते हैं।

उन्हें सम्मानित करो जो अपनी देह का उत्सर्ग उनके लिए करते हैं

जिनमें किसी अन्य प्राणी की देखभाल करने की ललक होती है।

उनका समादर करो जो आगे बढ़कर

किसी अन्य प्राणी के विकास और सुख के लिए

स्वयं को समर्पित करते हैं।

हे माँ भगवती, हमें सदैव अपने हृदय में रखना।

Mater beneficium nostrum es.

हे मातः! त्वयोक्ते शब्दे शब्दे वयं पश्येम भगवतः प्रकाशम्।

एक माँ है

अनोखी

beispiellos

卓越している

ineguagliabile

एक माँ है

ವಿಸ್ಮಯವಾದ

excepcional

અજોડ

несравненная

एक माँ है

sans pareille

unübertroffen

बेमिसाल

唯一

एक माँ है

niezrównana
舉世無雙
incomparável
वरेण्य

एक माँ है

लाजवाब!

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।